सांध्य दैनिक

4PM

मैं इस बात पर जोर देता हूं कि मैं महत्वाकांक्षा, आशा और जीवन के प्रति आकर्षण से भरा हुआ हूं। पर मैं जरूरत पड़ने पर ये सब त्याग सकता हूं और वही सच्चा बलिदान है।

-भगत सिंह

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 267 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 5 नवम्बर, 2025

विराट कोहली ने मनाया 36वां... 7 | चिराग-सुराज-तेज प्रताप छेड़... 3 | भाजपा ने हर वर्ग के साथ धोखा... 2

राहुल गांधी का चुनाव आयोग और बीजेपी पर एक और हाइड्रोजन वार

» सिस्टम लीक कर बीजेपी ने पूरे-पूरे राज्य चुरा लिये

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने बिहार में पहले चरण की 121 सीटों पर मतदान से ठीक एक दिन पहले दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बीजेपी और चुनाव आयोग पर अबतक का सबसे बड़ा हमला किया। आज राहुल गांधी ने जो कहा वो सिर्फ एक राजनीतिक बयान नहीं था बल्कि वह एक चार्जशीट थी जो मौजूदा चुनावी तंत्र पर दर्ज हो गई है।

कांग्रेस मुख्यालय में जब राहुल गांधी मीडिया से रूबरू हुए तो चेहरे पर न गुस्सा था न झुंझलाहट बस एक ठंडी तड़प थी। उन्होंने कहा कि अब बात एक सीट या एक क्षेत्र की नहीं है बीजेपी ने पूरा-पूरा राज्य चोरी कर लिया है। यह वोट चोरी नहीं लोकतंत्र की हत्या है। प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि हाइड्रोजन बम लोड हो रहा है। फिर प्रेस में वही धमाका किया जो राजनीति को हिला गया। राहुल का संकेत साफ था कि यह कोई मामूली आरोप नहीं बल्कि साक्ष्य आधारित सिस्टम लीक का मामला है।

जेन जी से अपील, जागो और समझो खेल

10 ▸ प्रतिशत देश की आबादी के नियंत्रण में है भारतीय सेना

राहुल की जेन जी से अपील

राहुल गांधी ने युवाओं की ओर मुखातिब होकर कहा कि अब जेन जी को यह खेल समझना होगा। जिस दिन यह पीढ़ी जाग गयी उस दिन वोट की चोरी खत्म हो जाएगी। राहुल ने युवाओं को चेताया कि वे सिर्फ दर्शक न बनें बल्कि इस प्रक्रिया को समझें और इसकी सच्चाई जानने की कोशिश करें। उन्होंने कहा कि यह चुनाव सिर्फ राजनीतिक दलों का नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ी के भविष्य का है। अगर लोकतंत्र से पारदर्शिता खत्म हुई तो सबसे बड़ा नुकसान युवाओं को होगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग चुनाव जीतने की व्यवस्था बना चुके हैं जिनके चेहरों पर मुस्कान है पर उस मुस्कान के पीछे लोकतंत्र की हकीकत छिपी है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि जिस सिस्टम की बात सीएम नायब सैनी जैसे लोग कर रहे हैं वही सिस्टम लीक हो चुका है।

राहुल के आरोपों पर चुनाव आयोग का जवाब

चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक, 90 विधानसभा सीटों के लिए हाईकोर्ट में वर्तमान में सिर्फ 22 चुनाव याचिकाएं लंबित हैं। इसके साथ ही उन्होंने ये भी पूछा कि कांग्रेस के पोलिंग एजेंट मतदान केंद्रों पर क्या कर रहे थे। उन्होंने तभी अपत्ति क्यों नहीं जताई, जबकि उनको तो तभी आपत्ति जताई चाहिए थी, जब वोटर ने मतदान किया हो या पोलिंग एजेंट को वोटर की पहचान पर शक हो, ये भी पूछा गया है कि क्या राहुल गांधी एसआईआर का समर्थन कर रहे हैं या इसका विरोध कर रहे हैं।

> “ राहुल गांधी अब सशस्त्र बलों में एक जाति खोज रहे हैं और कहते हैं कि 10 प्रतिशत लोग इसे नियंत्रित करते हैं।
>
> सुरेश नखुआ, भाजपा नेता

वोट चोरी अब संगठित नीति बन चुकी है

राहुल गांधी ने एक बार फिर बीजेपी और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि देश में वोट चोरी अब एक संगठित नीति बन चुकी है। उन्होंने इस मुद्दे को एच-फाइल्स नाम देते हुए कहा है कि अब यह किसी एक निर्वाचन क्षेत्र की बात नहीं बल्कि पूरे-पूरे राज्य स्तर पर लोकतंत्र से खिलवाड़ हो रहा है। राहुल के मुताबिक उन्हें पहले सिर्फ संदेह था कि कुछ गड़बड़ है लेकिन अब उन्हें पक्का विश्वास हो गया है कि यह राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर की चोरी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा से कांग्रेस उम्मीदवारों ने कई शिकायतें भेजीं कि मतदान और मतगणना के दौरान सिस्टम ठीक से काम नहीं कर रहा था। राहुल ने कहा कि हमारे उम्मीदवारों ने बताया कि उनके सभी अनुमान उलट गए। जहां जीत की स्थिति थी वहां परिणाम अचानक बदल गए। कुछ न कुछ तो गड़बड़ जरूर हुई है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि कांग्रेस को ऐसा ही अनुभव मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में भी हुआ था। कई जगह कांग्रेस को भारी समर्थन के बावजूद नतीजे अप्रत्याशित रहे। उन्होंने यह भी बताया कि इस बार उनकी टीम ने हरियाणा पर विशेष ध्यान देने और वहां हुए मतदान और मतगणना की प्रक्रिया को विस्तार से समझने का निर्णय लिया है। राहुल का बयान इस बात की ओर संकेत करता है कि कांग्रेस अब सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी नहीं कर रही बल्कि व्यवस्थित रूप से साक्ष्य जुटाने की दिशा में बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यह सवाल किसी एक पार्टी का नहीं बल्कि लोकतंत्र के भविष्य का है।

राहुल ने कहा कि अगर जनता के वोट का सम्मान नहीं होगा तो चुनाव सिर्फ दिखावा बन जाएंगे। भारत का लोकतंत्र बूथ से नहीं सॉफ्टवेयर से तय होने लगेगा। राहुल गांधी का यह बयान भारतीय राजनीति में एक नया विमर्श खड़ा कर रहा है जिसमें वोट चोरी सिर्फ एक चुनावी मुद्दा नहीं, बल्कि जनादेश की साख पर प्रश्न बन चुका है।

बिहार में नेता प्रतिपक्ष के दावे पर बवाल, भाजपा ने उठाए सवाल

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बिहार के कुटुम्बा में एक चुनावी रैली के दौरान गुरुवार से शुरू हो रहे विधानसभा चुनाव से पहले यह दावा करके विवाद खड़ा कर दिया कि भारतीय सेना देश की 10 प्रतिशत आबादी के नियंत्रण में है। उनके इस बयान के बाद से बवाल मच गया है। भाजपा-जदयू समेत कई लोगों के निशान परवो आ गए हैं। नेता प्रतिपक्ष ने यह दावा ऊँची जातियों के संदर्भ में किया। एक जनसभा को संबोधित करते हुए, गांधी ने कहा कि अगर आप गौर से देखें, तो देश की 90 प्रतिशत आबादी दलित, महादलित, पिछड़ी, अति पिछड़ी या अल्पसंख्यक समुदायों से है। 90 प्रतिशत लोग समाज के सबसे पिछड़े और आदिवासी तबके से आते हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा कि अगर आप भारत की 500 सबसे बड़ी कंपनियों की सूची निकालें, तो आपको पिछड़े या दलित समुदायों का कोई भी व्यक्ति वहां नहीं मिलेगा, वे सभी शीर्ष 10 प्रतिशत से आते हैं। सभी नौकरियां उन्हीं के पास जाती हैं। सशस्त्र बलों पर उनका नियंत्रण है। आपको शेष 90 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व कहीं नहीं मिलेगा। राहुल गांधी ने कहा, हम ऐसा भारत चाहते हैं जिसमें देश की 90 प्रतिशत आबादी के लिए जगह हो, जहां लोग सम्मान और खुशी के साथ रह सकें। कांग्रेस ने हमेशा पिछड़ों के लिए लड़ाई लड़ी है। कांग्रेस सांसद ने दावा किया था कि चीनी सेना ने 2,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है और अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सैनिकों की पटाई कर रही है। इन बयानों के बाद लखनऊ के एक सेवानिवृत्त रक्षा अधिकारी ने मानहानि का मुकदमा दायर किया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि इन टिप्पणियों से भारतीय सेना का अपमान हुआ है और उसकी छवि धूमिल हुई है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने पहले शिकायत को खारिज करने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद गांधी ने सर्वोच्च न्यायालय में अपील की थी। उनकी टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता सुरेश नखुआ ने कहा, राहुल गांधी अब सशस्त्र बलों में एक जाति खोज रहे हैं और कहते हैं कि 10 प्रतिशत लोग इसे नियंत्रित करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपनी नफरत में, वह पहले ही भारत से नफरत की सीमा पार कर चुके हैं। यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने सेना के बारे में कोई आपत्तिजनक टिप्पणी की हो। अगस्त में, अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान की गई इस टिप्पणी - चीनी सैनिक अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सैनिकों की पिटाई कर रहे हैं पर उन्हें सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई थी।

भाजपा ने हर वर्ग के साथ धोखा किया : अखिलेश

» बोले सपा प्रमुख- भाजपा के साथ अमीर, इंडिया गठबंधन के साथ गरीब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बिहार में दिनारा व ओबरा विधानसभा क्षेत्र में चुनावी जनसभाएं कीं। इन सभाओं में यूपी के पूर्व सीएम ने एनडीए सरकार पर जमकर हमला बोला। सपा प्रमुख ने कहा, अमीर व उद्योगपति भाजपा के साथ खड़े हैं। जबकि गरीब, किसान, नौजवान व महिलाएं इंडिया गठबंधन और राष्ट्रीय जनता दल के साथ हैं।उन्होंने कहा कि भाजपा ने हर वर्ग के साथ धोखा किया है। नफरत फैलाकर सामाजिक सद्भाव खराब कर रही है।

बिहार को भाजपा के भ्रष्टाचार के पैसों के बंडलराज से बचाना है। भाजपा सरकार में देश पर कर्ज बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जबसे तेजस्वी यादव ने हर घर युवाओं को नौकरी देने, 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने, माताओं-बहनों को 2500 रुपये हर माह देने की घोषणा की है, तब से भाजपा घबराई है। उन्होंने कहा कि भाजपाई भ्रष्टाचार के पैसे से सोना खरीद रहे है। इसीलिए सोना महंगा हो गया है।

राजद की जीत सामाजिक-न्याय और संविधान की जीत होगी

बिहार में राजद की जीत सामाजिक-न्याय और संविधान की जीत होगी। लोकतंत्र, सौहार्द और भाईचारे की जीत होगी। नीतीश कुमार को लेकर अखिलेश ने कहा कि उन्हें अब कोई मुख्यमंत्री नहीं बनाने वाला है। वे भाजपा के सिर्फ चुनावी दूल्हा हैं।

आपस में हंसी-मजाक करते दिखे अखिलेश और केशव मौर्य, वायरल हुई तस्वीर

यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और प्रदेश सरकार में डिप्टी सीएम केशव मौर्य की एक तस्वीर इंटरनेट पर वायरल हो रही है। पटना एयरपोर्ट की इस तस्वीर में दोनों नेताओं को हंसते-मुस्कुराते हुए देखा जा सकता है। यह दोनों नेता बिहार चुनाव प्रचार के लिए बिहार पहुंचे हुए थे। राजनीतिक सौहार्द से भरी इस तस्वीर के आने पर इस पर वाह-वाही हो रही है। मालूम हो कि यह दोनों नेता सोशल मीडिया पर एक-दूसरे पर आरोप लगाते रहते हैं।

बीआरएस और भाजपा में सांठगांठ : रेवंत

बोले तेलंगाना के मुख्यमंत्री- केटीआर की फाइल राज्यपाल के पास अटकी है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच मौन सहमति है। उन्होंने दावा किया कि फॉर्मूला ई रेस मामले में बीआरएस नेता के टी रामा राव पर मुकदमा चलाने की अनुमति मांगने वाली फाइल दो महीने पहले से राज्यपाल के पास अटकी हुई है।

जुबली हिल्स विधानसभा सीट पर 11 नवंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार के समर्थन में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए रेड्डी ने पूछा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार के दौरान निर्मित कालेश्वरम परियोजना में कथित अनियमितताओं से संबंधित मामले में प्राथमिकी क्यों नहीं दर्ज की है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के शीर्ष नेता बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। रेड्डी ने कहा, ''केटीआर ने फॉर्मूला ई रेस के नाम पर एक कंपनी को ठेका देकर 50 करोड़ रुपये के चुनावी बॉन्ड इकट्ठा किए। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने सबूतों के साथ मामला दर्ज किया और राज्यपाल से गिरफ्तारी की अनुमति मांगी। फाइल दो महीने से राज्यपाल के पास अटकी हुई है।

मुख्यमंत्री ने पूछा कि क्या भाजपा अपनी संभावनाओं का बलिदान देकर बीआरएस को उपचुनाव जीतने में मदद करने की कोशिश नहीं कर रही है। रेड्डी ने दावा किया कि इसका कारण यह है कि भविष्य में बीआरएस का भाजपा में विलय हो जाएगा।

कर्नाटक को भारत की कौशल राजधानी बनाना ही सरकार का मिशन : सिद्धरमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य प्रतिभा, तकनीक और दृढ़ता के बल पर कर्नाटक को 2032 तक भारत की कौशल राजधानी और एक ह्जार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है। उन्होंने कहा कि राज्य ने 2032 तक 30 लाख युवाओं को कौशल प्रदान करने, आईटीआई में महिलाओं के नामांकन को 33 प्रतिशत तक बढ़ाने, जिला स्तर पर कौशल क्षमता को दोगुना करने और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन केंद्र-कर्नाटक (आईएमसी-के) के माध्यम से वैश्विक प्लेसमेंट संबंधों को मजबूत करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं। यहां बेंगलुरु कौशल शिखर सम्मेलन 2025 के उद्घाटन के अवसर पर सिद्धरमैया ने यह बात कही।

पुराने कांग्रेसियों के निशाने पर हुड्डा और कांग्रेस

» पूर्व मंत्री संपत इनेलो में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पूर्व मंत्री संपत सिंह के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा और उनके बेटे सांसद दीपेंद्र हुड्डा पर गंभीर आरोप लगाकर कांग्रेस छोड़ने के बाद सियासत गरमाने लगी है। पूर्व में कांग्रेस छोड़कर दूसरे दल में जाने वाले नेताओं ने संपत के बहाने हुड्डा और कांग्रेस पर निशाना साधना शुरू कर दिया है। पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई और कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी ने कांग्रेस पर तीखा हमला किया है। मंगलवार को मीडिया की तरफ से संपत के आरोपों के सवाल पर भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि उनसे ही पूछिए ये उनके निजी विचार हैं।

कुलदीप बिश्नोई ने अपने एक्स हैंडल पर संपत सिंह की पोस्ट को शेयर कर लिखा कि कांग्रेस अब विचारों की नहीं, व्यक्तियों की पार्टी बन चुकी है। प्रो. संपत सिंह ने जो लिखा वह सिर्फ इस्तीफा नहीं बल्कि एक सच्चा आईना है। पार्टी में सोचने वाले निकले जा रहे हैं और चापलूस टिकाए जा रहे हैं। सच यही है जहां विचार मरता है वहां संगठन भी मर जाता है। बिश्नोई ने संकेतों में कहा कि यही कारण है कि आज कांग्रेस के अंदर असहमति के स्वर दबा दिए जाते हैं और ईमानदारी से काम करने वाले नेता हाशिए पर धकेल दिए जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी ने बयान दिया है कि हरियाणा में कांग्रेस नाम का कोई दल नहीं बचा है। संपत सिंह ठीक कर रहे हैं। प्रो. संपत सिंह ने अपने इस्तीफे में कुलदीप बिश्नोई, किरण चौधरी, श्रुति चौधरी, अरविंद शर्मा सहित दर्जन भर वरिष्ठ नेताओं के पार्टी से पलायन को कांग्रेस की गिरती आंतरिक लोकतांत्रिक व्यवस्था का नतीजा बताया है। उन्होंने बिना नाम लिए पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा और दीपेंद्र हुड्डा पर संगठन को व्यक्तिगत वर्चस्व का उपकरण बना देने का आरोप लगाया है।

बसों की कमी ने दिल्लीवालों की मुश्किलें बढ़ाई : सौरभ भारद्वाज

आप ने भाजपा की रेखा सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था बदहाली पर भाजपा की रेखा सरकार को आड़े हाथों लिया है। आप के प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने मंडी हाउस और चिराग दिल्ली बस स्टॉप पर रियलिटी चेक किया और दावा किया कि चार इंजन की भाजपा सरकार होने के बावजूद राजधानी की बस व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है।

भारद्वाज ने कहा कि अप्रैल महीने में भाजपा सरकार ने क्लस्टर बसें बंद कर दीं, जिसके बाद दिल्लीभर में बसों की भारी कमी हो गई है। उन्होंने बताया कि डीटीसी बसों की स्थिति भी बेहद खराब है। बस स्टॉप पर लोग घंटों तक इंतजार करते हैं। उनके अनुसार, मंडी हाउस बस स्टॉप पर लोगों ने शिकायत की कि 260 और 270 नंबर रूट की बसें पूरी तरह बंद हो चुकी हैं, जबकि 139, 164, 188 और 270 जैसी बसें कम चल रही हैं। पूर्वी दिल्ली और यमुना पार के यात्रियों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। महिलाएं भी शिकायत कर रही हैं कि बस ड्राइवर अब स्टॉप पर बस नहीं रोकते और उनके साथ अभद्रता करते हैं। दक्षिणी दिल्ली के चिराग दिल्ली बस स्टॉप पर भारद्वाज को 534 नंबर बस के लिए इंतजार करते यात्रियों की लंबी कतार मिली। 423 और 419 नंबर बसें अब बहुत कम दिखाई देती हैं। सौरभ भारद्वाज ने सवाल उठाया कि अगर भाजपा सरकार डिपो रेनोवेशन का हवाला देकर बसें हटा रही है, तो सारे डिपो एक साथ क्यों बंद किए गए। आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया है कि भाजपा की चार इंजन वाली दिल्ली सरकार प्रदूषण के बाद अब डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के आंकड़े भी छिपा रही है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने कहा कि छह अक्तूबर के बाद तीन हफ्तों तक रिपोर्ट जारी नहीं की गई और तीन नवंबर को जारी रिपोर्ट में डेंगू के 300, मलेरिया के 200 और चिकनगुनिया के 60 नए मामलों का खुलासा हुआ है। नारंग ने कहा कि भाजपा सरकार ने न केवल बीमारियों के आंकड़े देर से जारी किए, बल्कि मौसमी बीमारियों से हुई मौतों की जानकारी भी रिपोर्ट में शामिल नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर एमटीएस कर्मचारियों की हड़ताल समय रहते रोकी जाती, तो इतने बड़े पैमाने पर संक्रमण नहीं फैलता। वे 29 सितंबर से एक नवंबर तक हड़ताल पर रहे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने जनता को जागरूक करने के लिए कोई अभियान नहीं चलाया, जबकि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में पहले 10 हफ्ते, 10 मिनट, 10 रविवार जैसे प्रभावी अभियान चलाए जाते थे।

चिराग-सुराज-तेज प्रताप छेड़ रहे नया चुनावी राग

विस में इनके रवैये से बड़ों की नींद उड़ी

एनडीए व महागठबंधन के तेवर पड़े मद्धिम

» परिणाम में दिखेगा असर जनता के बीच पैठ बनाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार चुनाव में इसबार नए-नए रंग देखने को मिल रहे हैं। जहां एनडीए व इंडिया महागठबंधन में सीधी लड़ाई है। पर पीके की पार्टी जनसुराज व तेजप्रताप की जनशक्ति जनता दल भी अपनी मौजूदगी दिखा रही है। जो सर्वे आ रहे हैं उसके हिसाब से ये दोनों इन दोनों गठबंधनों को कहीं न कहीं नुकसान देंगे। पर असलियत तो 14 नवंबर को ही पता चलेगा। वहीं चिराग व मुकेश सहनी तो किंग मेकर की भूमिका में आ सकते हैं। तेज प्रताप यादव ने जनशक्ति जनता दल का पोस्टर लॉन्च किया है।

इस पोस्टर में 5 महापुरुषों महात्मा गांधी, राम मनोहर लोहिया, बीआर अंबेडकर, जय प्रकाश नारायण और कर्पूरी ठाकुर की तस्वीरें हैं। तेज प्रतार यादव द्वारा नई पार्टी के ऐलान से आरजेडी में खलबली मच गई हैं। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के रण में सभी राजनीतिक पार्टियां पूरी तैयारी के साथ उतरने के लिए तैयार हैं। लेकिन अब इस चुनावी रण में एक और नई पार्टी टक्कर देने को तैयार है। दरअसल, बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने अपनी नई पार्टी का ऐलान कर दिया है। तेज प्रताप यादव की पार्टी का नाम जनशक्ति जनता दल है और पार्टी का चुनाव चिन्ह ब्लैक बोर्ड है। तेज प्रताप यादव ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर चुनाव चिन्ह के साथ अपनी पार्टी का पोस्टर भी जारी कर दिया है।

परिवार से बिगड़े रिश्ते

कुछ महीनों पहले बिहार में लालू परिवार को राजनीति में कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। तेज प्रताप यादव की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं, जिसके बाद उनकी परिवार से दूरी बढ़ने की खबरें आई थीं। इस तस्वीरों के कारण तेज प्रताप यादव को पिता लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल को बाहर का रास्ता दिखाया गया था। इसी के बाद से तेज प्रताप यादव की सियासत को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। वहीं कई मौकों पर तेज प्रताप यादव ने नई पार्टी बनाने के संकेत भी दिए थे।

बिहार के विकास को तत्पर हैं तेज प्रताप

तेज प्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल बिहार के संपूर्ण विकास के लिए पूर्ण रूप से समर्पित और तत्पर है। तेज प्रताप यादव ने X हैंडल पर जानकारी देते हुए बताया कि उनकी पार्टी का मकसद राज्य में संपूर्ण बदलाव करने के साथ ही एक नई व्यवस्था का निर्माण करना है। जनशक्ति जनता दल के जरिए तेज प्रताप यादव राज्य के संपूर्ण विकास के लिए न सिर्फ संघर्ष करेंगे, बल्कि आगामी चुनावी रण में उतरकर विरोधियों को भी कड़ी टक्कर देने का काम करेंगे। तेज प्रताप यादव ने जनशक्ति जनता दल का पोस्टर लॉन्च किया है। इस पोस्टर में 5 महापुरुषों महात्मा गांधी, राम मनोहर लोहिया, बीआर अंबेडकर, जय प्रकाश नारायण और कर्पूरी ठाकुर की तस्वीरें हैं। तेज प्रतार यादव द्वारा नई पार्टी के ऐलान से आरजेडी में खलबली मच गई हैं। क्योंकि तेज प्रताप अपनी नई पार्टी से सीधे तौर पर तेजस्वी यादव को चुनौती देंगे, क्योंकि तेजस्वी यादव इंडिया गठबंधन का मुख्यमंत्री चेहरा हैं।

पार्टी बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट पर देगी जोर

बता दें कि 05 नवंबर 2019 को रामविलास पासवान के बेटे चिराग पासवान को लोक जनशक्ति पार्टी का अध्यक्ष चुना गया। पार्टी अध्यक्ष बनते ही चिराग पासवान ने राज्य में बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट के नाम से यात्रा निकाली। वहीं पार्टी अध्यक्ष चिराग पासवान के नेतृत्व में लोक जनशक्ति पार्टी 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव के चलते सभी 243 सीटों पर मजबूत तैयारी कर रही है।

चिराग से रोशन होगा फिर एनडीए

लोक जनशक्ति पार्टी का गठन ऐसे नेता ने किया था, जिसको राजनीतिक मौसम का वैज्ञानिक माना जाता था। यह नेता और कोई नहीं बल्कि रामविलास पासवान थे। बिहार की सबसे छोटी पार्टी होने के बाद भी लोक जनशक्ति पार्टी की हमेशा सत्ता में भागेदारी रहती है। पार्टी की यह हिस्सेदारी सिर्फ बिहार में ही नहीं बल्कि केंद्र की सत्ता में भी मिलती है। जब बिहार की राजनीति के हाल बदले तो रामविलास पासवान ने अपनी पार्टी बना ली।

लोजपा का राजनीतिक सफर

लोक जनशक्ति पार्टी का गठन

साल 2000 में राम विलास पासवान ने लोक जनशक्ति पार्टी की स्थापना की थी। इससे पहले रामविलास पासवान जनता पार्टी और फिर जनता दल और इसके बाद जनता दल यूनाइडेट का हिस्सा रहे। लेकिन बिहार की सियासत बदली तो रामविलास पासवान ने अपनी पार्टी बना ली। दलितों की राजनीति करने वाले रामविलास पासवान ने साल 1981 में दलित सेना संगठन की स्थापना की। एलजेपी का गठन सामाजिक न्याय और दलित पीड़ितों की आवाज को उठाने के मकसद से किया गया था। बता दें कि बिहार में दलित समुदाय की आबादी करीब 17 फीसदी है, लेकिन दुसाध जाति का वोट करीब 5 फीसदी है। यह लोक जनशक्ति पार्टी का कोर वोट बैंक माना जाता है।

साल 2004 के लोकसभा चुनाव में एलजेपी ने 4 सीटें जीती थीं और 4 सीटों के साथ यूपीए का हिस्सा बने। फिर साल 2005 के विधानसभा चुनाव में एलजेपी ने शानदार प्रदर्शन किया और 29 सीटों पर जीत हासिल की। लेकिन राज्य में किसी भी पार्टी को बहुमत न मिल पाने के कारण राष्ट्रपति शासन लगा और अक्टूबर-नवंबर 2005 में फिर से चुनाव हुए। इस दौरान एलजेपी सिर्फ 10 सीटों पर सिमटकर रह गई। फिर साल 2010 के विधानसभा चुनाव में एलजेपी सिर्फ 3 सीटों पर कब्जा जमा पाई और 2011 में एलजेपी को एक झटका फिर लगा, जब पार्टी के 3 में से 2 विधायक दूसरी पार्टी के साथ चले गए। यह वो दौर था, जब एलजेपी सत्ता से बाहर थी, लेकिन समीकरण कुछ इस तरह से बदले कि एलजेपी को फिर से सहारा मिल गया। साल 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले एलजेपी ने बिहार में 7 सीटों पर चुनाव लड़ा और 6 सीटों पर जीत हासिल की। इस दौरान राम विलास पासवान के बेटे चिराग पासवान ने भी पहली बार बिहार की जमुई सीट से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। साल 2015 में पार्टी ने 42 सीटों पर प्रत्याशी उतारे, लेकिन सिर्फ 2 सीटें जीत सकी। वहीं साल 2019 में काफी गहमागहमी और लंबे मंथन के बाद एलजेपी ने 6 सीटों पर चुनाव लड़ा और पार्टी ने सभी 6 सीटों पर जीत हासिल की।

तेज प्रताप बनेंगे राजद की मुसीबत

तेज प्रताप यादव आरजेडी के वोटों में सेंध लगाकर तोड़ सकते हैं। वहीं आरजेडी के नेताओं को टिकट न मिलने से नाराज होने विधायकों भी तेज प्रताप तोड़ कर अपने भाई तेजस्वी यादव को झटका दे सकते हैं। हालांकि यह देखना काफी दिलचस्प रहेगा कि तेज प्रताप की पार्टी को राज्य में कितना समर्थन मिलता है और बिहार की राजनीति में जनशक्ति जनता दल को कितनी जगह मिल पाती है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

मारी छोरियां छोरों से कम नहीं

46 साल बाद क्रिकेट की सबसे बड़ी ट्राफी जीत कर भारत की महिलाओं ने बता दिया की वो किसी से कम नहीं हैं। ओलंपिक जैसे खेलों में अपना दम कई बार दिखा चुकी इन महिला खिलाड़ियों ने बता दिया वह अगर ठान लेंगी तो तिरंगें की शान को बढ़ाने में वह भी पीछे नहीं रहेंगी। बेटियां अब दर्शक नहीं, दिशा हैं। 2 नवंबर 2025 का दिन खेल उपलब्धि से आगे बढ़कर एक प्रतीक बन गया और जैसे ही भारत ने महिला विश्वकप ट्रॉफी थामी, दुनिया ने महसूस किया कि यह जीत सिर्फ मैदान की नहीं, बल्कि मानसिकता की भी थी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए इस फाइनल को लाइव देखने वालों की संख्या ने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए। मैच के दौरान लाइव व्यूअरशिप 190 मिलियन से अधिक पहुंच गई – अब तक के किसी भी वर्ल्ड कप फाइनल की सबसे बड़ी संख्या।

टूर्नामेंट के पहले 13 मैचों ने 60 मिलियन दर्शकों को आकर्षित किया – यह 2022 संस्करण से पांच गुना वृद्धि थी। कुल 7 बिलियन मिनट्स का वॉच-टाइम दर्ज हुआ– 12 गुना वृद्धि। फाइनल के विज्ञापन दरों में 40 प्रतिशत की उछाल ने यह साफ कर दिया कि महिला क्रिकेट अब सिर्फ भावनात्मक नहीं, बल्कि व्यावसायिक दृष्टि से भी शक्तिशाली मंच बन चुका। सोशल मीडिया पर यह जन-उत्सव बन गया– पहले खाली स्टेडियमों की जगह अब खचाखच भरे मैदान थे, और लाइव स्ट्रीम्स 1.2 करोड़ से बढ़कर 16.3 करोड़ तक जा पहुंचीं। फाइनल की शाम शैफाली वर्मा ने जब 87 रनों की तूफानी पारी खेली और दो विकेट लिए, तब उनकी आंखों में आत्मविश्वास की चमक थी। उन्होंने कहा– भगवान ने मुझे इसी पल के लिए भेजा था। अब कहा जा सकता है –जब सचिन तेंदुलकर और रोहित शर्मा जैसे पुरुष सितारे महिला टीम को स्टेडियम में खड़े होकर चीयर करते हैं, तो यह प्रतीक है कि क्रिकेट अब किसी सीमित परिभाषा का हिस्सा नहीं। यह मानव-संभावनाओं का उत्सव है– जहां जुनून, अनुशासन और निडरता पहचान तय करते हैं। हर तालियों की गूंज में यह संदेश था कि अब बेटियाँ इंतजार नहीं करेंगी, वे पहल करेंगी। हर चमकती आंख में यह यकीन था कि खेल अब केवल प्रदर्शन का मंच नहीं, बल्कि परिवर्तन की परिभाषा बन चुका है। अब इस सफलता की वजह से इनपर सबकी नजर भी चढ़ गई है। जेन जी बेटियां यह जान चुकी हैं कि सपने अब उधार नहीं लिए जाते– उन्हें खेला जाता है, जिया जाता है और अपने दम पर जीता जाता है। हम ये भी कह सकते मारी छोरियां छोरों से कम नहीं हैं।

“ बेटियां अब दर्शक नहीं, दिशा हैं। 2 नवंबर 2025 का दिन खेल उपलब्धि से आगे बढ़कर एक प्रतीक बन गया और जैसे ही भारत ने महिला विश्वकप ट्रॉफी थामी, दुनिया ने महसूस किया कि यह जीत सिर्फ़ मैदान की नहीं, बल्कि मानसिकता की भी थी। भारत और दक्षिण अफ़्रीका के बीच हुए इस फाइनल को लाइव देखने वालों की संख्या ने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पंजाब के लिए भी हरेक बिहारी की अहमियत

ज्योति मल्होत्रा

गत सप्ताह की शुरुआत में, बिहार के मुजफ्फरपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक टिप्पणी में पंजाब में काम करने वाले बिहारी प्रवासियों के लिए हीनता-सूचक शब्द बरतने के लिए कांग्रेस पार्टी को आड़े हाथ लिया, इसने पंजाब में 30 लाख की विशाल संख्या वाले कार्यबल पर फिर ध्यान खींचा, जबकि इनके बिना पंजाब में आज कोई भी परिवार काम नहीं चला सकता। लेकिन इससे पहले कि आप यह तय कर लें कि पंजाब में बिहार-यूपी की यह प्रवासी आबादी 21वीं सदी के गिरमिटिया, यानी ब्रिटिश राज द्वारा दुनियाभर में गन्ने के खेतों में काम करवाने को ले जाए गए बंधुआ मजदूरों का आधुनिक रूप है या नहीं, आइए इस तर्क का संदर्भ समझते हैं। सर्वप्रथम, पीएम मोदी की टिप्पणियां बिहार में बीजेपी की असाधारण पहुंच बनाने का हिस्सा हैं, जहां इसके सहयोगी दल के नीतीश कुमार पिछले 20 सालों से सत्ता पर काबिज हैं। इस अंतिम दौर में, बीजेपी के सभी शीर्ष नेता सियासी रूप से बेहद जागरूक इस राज्य में प्रचार के लिए अवतरित हैं – बीजेपी शासित छोटे से हरियाणा से भी 54 नेता चुनाव प्रचार में हैं, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी दो बार जा चुके हैं। द्वितीय, जैसे बीजेपी ने एक साल पहले हरियाणा में किया था, वह कोई कसर नहीं छोड़ेगी। वह विपक्ष को बिहार में सत्ता में आने से रोकने के लिए सब कुछ करेगी। बीजेपी जानती है कि महागठबंधन की जीत हुई तो बीजेपी की अजेयता की धारणा टूट जाएगी। साथ ही, यह विजय राहुल गांधी में 2026 में असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में नई ऊर्जा से चुनाव लड़ने का जोश भर देगी और फिर 2027 में पंजाब के लिए भी तैयार कर देगी। यही वजह है कि मुजफ्फरपुर में नरेंद्र मोदी ने 2022 में तत्कालीन पंजाब कांग्रेस के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी द्वारा की गई 'यूपी के भैया' वाली टिप्पणी का मुद्दा उछाला। मोदी बखूबी समझते हैं कि कांग्रेस, चाहे कितनी भी कमजोर व बंटी हुई हो – आज पंजाब इकाई में मुख्यमंत्री पद के कम से कम पांच दावेदार हैं – फिर भी वह देश में एकमात्र पार्टी है जो बीजेपी के संभावित विरोधियों को एकजुट कर सकती है। एक बार फिर, चन्नी को अपना बचाव करने को मजबूर होना पड़ा – उन्होंने कहा कि वह तो सिर्फ दिल्ली के आम आदमी पार्टी नेताओं को निशाना बना रहे थे, जो 2022 में पंजाब में जबरदस्ती घुसने की कोशिश कर रहे थे – लेकिन सच यह है कि यह शब्द, 'भैया', एक तुच्छता-सूचक संबोधन है, जो गिरते पंजाबी

आत्म-सम्मान में श्रेष्ठता भाव जगाने की गर्ज से है। कभी दूध और शहद की धरती रहा पंजाब अब लगातार मुश्किलों में घिरता जा रहा, क्योंकि वह एक ही वक्त में कृषि संकट, जो कई दशकों की भीषणतम बाढ़ से और बढ़ गया व करीब नदारद उद्योग जैसी समस्या से जूझ रहा है, जिससे सूबे का स्थान राज्यवार जीडीपी के बरक्स कर्ज के अनुपात में देश में दूसरे नंबर पर है (सिर्फ अरुणाचल प्रदेश की हालत इससे पतली है)। कनाडा और दूसरे पश्चिमी देशों को पलायन कर रहे पंजाबियों की वजह से पैदा हुआ खालीपन भरने को -2021 की कनाडा की जनगणना के अनुसार, वहां करीब 10 लाख पंजाबी (कुल आबादी का 2.6 फीसदी) हैं – सीमांचल, पूर्वांचल, मगध और मिथिला से आए सांवले रंग के 'भैया' लोगों ने उनके द्वारा रिक्त रोजगार मौकों को भर दिया। कहा जाता है कि पंजाब की 30 लाख प्रवासी आबादी में 60 प्रतिशत बिहार और 21 प्रतिशत उत्तर प्रदेश के हैं। मतलब, तीन करोड़ वाले राज्य में आबादी के हिसाब से हर दस पंजाब वासियों में एक प्रवासी है। वे पंजाब में दशकों से रह रहे, उनके बच्चे यहीं पैदा हुए और यहीं स्कूल जाते हैं – पत्रकारों की खबरों के मुताबिक प्रवासी समुदाय के कई बच्चे गुरमुखी में पंजाबी मूल के स्कूली बच्चों की तुलना में बेहतर अंक ले रहे, हालांकि यह साफ नहीं कि यह शब्द, 'मूल निवासी', उन पर लागू होता है या नहीं। आखिरकार, उसी देश में 'मूल निवासी' कौन है, जहां सैद्धांतिक रूप से सभी नागरिक समान हैं? और फिर, महाराष्ट्र में दिया जाने वाला 'धरती पुत्र' वाला तर्क पंजाब पर लागू नहीं होता-महाराष्ट्र में, 'मराठी मानुस' सिद्धांतत: 'बाहरी लोगों' के खिलाफ नौकरी के अपने हक के लिए लड़ रहा है, उनके मामले में ये बाहरी लोग 'दक्षिण भारतीय' हैं, लेकिन पंजाब में काम करने को शायद ही कोई पंजाबी बचा है। तब, बिहार और उत्तर प्रदेश के 'भैया' के लिए पंजाब में मैदान खुला है, जिन्होंने न केवल लगभग कृषि संबंधी क्रियाकलाप पर कब्जा कर लिया, बल्कि घरेलू काम समेत शहरी रोजगार में भी बड़ी घुसपैठ कर ली। अगर आप उन्हें निकालें, तो काम नहीं चलेगा। ऐसे कई किस्से हैं कि पंजाबी जमींदारों ने कोविड के बाद बिहार व यूपी के गांवों में बसें भेजीं, और इन 'भैया' लोगों से वापस आने की मिन्नतें कीं। बीते हफ्ते, पंजाब में सतलुज और ब्यास नदियों व अन्य जलस्रोतों किनारे बिहारी त्योहार छठ उत्साह से मनाया।

इंसान को इंसान बनाने वाला हो धर्म

विश्वनाथ सचदेव

अक्सर यानी जब भी धर्म या मजहब के नाम पर इंसानियत को शर्मसार करने वाला कुछ घटता है तो उस अनाम शायर की यह पंक्ति दुहरा बैठता हूं- मजहब बेनाम हो जाये तो सुकूं मिले। देखा जाये तो सारा झगड़ा तो नाम का ही है। किसी को हिंदू या मुसलमान नाम देकर हम अनायास उसे इंसानियत की ऊंचाई से नीचे गिरा देते हैं। हम यह भूल जाते हैं कि हिंदू या मुसलमान से पहले भी वह कुछ था। यही 'कुछ' उसकी असली पहचान है। मंदिर में आरती करने से पहले, मस्जिद में नमाज़ पढ़ने से पहले या फिर गिरजाघर में 'गॉड' को याद करने से पहले हम सब इंसान हैं, यह बात पता नहीं हम क्यों भूल जाते हैं। जरा सा सोचने की बात है कि जब कोई पैदा होता है तो उसका किसी धर्म को मानने वाला होना इस बात से तय हो जाता है कि वह किस परिवार में पैदा हुआ या हुई। और वह किस परिवार में पैदा हुआ इसमें पैदा होने वाले की कोई भूमिका नहीं होती।

ऐसे में यह सवाल तो उठना ही चाहिए न कि यह कैसा आधार है किसी के हिंदू या मुसलमान या किसी और धर्म को मानने वाला होने का सवाल यह भी है कि जब किसी का धर्म तय होने में उसकी कोई भूमिका ही नहीं है तो धर्म के नाम पर आपस में झगड़ने की क्या तुक है? और यह 'झगड़ा' भी कितने बचकाने तरीके से होता है। हाल ही महाराष्ट्र के पुणे से एक खबर आयी थी। खबर पेशवाओं के एक किले शनिवारवाड़ा से जुड़ी है। अब यह किला प्राचीन स्मारक के रूप में संरक्षित है। पेशवाई इतिहास के इस स्मारक को देखने रोज अनेक पर्यटक पहुंचते हैं। ये पर्यटक किसी भी धर्म के मानने वाले हो सकते हैं। कुछ ही दिन पहले कुछ मुसलमान महिलाएं यह किला देखने पहुंची थीं। पता नहीं क्या सोच कर वे वहीं एक जगह चादर बिछाकर नमाज पढ़ने बैठ गयीं।

कोई कहीं भी बैठकर अपने प्रभु को याद करे इसमें भला किसी को क्या आपत्ति होनी चाहिए। पर इस कृत्य से कुछ लोगों को आपत्ति है। पता नहीं क्यों किसी को यह जरूरी लगा कि नमाज पढ़ती उन महिलाओं का वीडियो बनाकर वायरल किया जाये। सोशल मीडिया पर यह दृश्य देखकर कुछ लोग अप्रसन्न हुए। उन लोगों को लगा कि शनिवारवाड़ा में चार-छह लोगों द्वारा नमाज पढ़ने से वह जगह अपवित्र हो गयी है! उन्होंने वहां पहुंचकर गौमूत्र से उस जगह का शुद्धीकरण किया। यह बात समझना आसान नहीं है कि 'खुदा' का नाम लेने से 'ईश्वर' की वह जगह अपवित्र कैसे हो गयी? हमारा धर्म तो यह मानता है कि कण-कण में ईश्वर बसता है, पर धर्म को मानने वाले हम यह नहीं मानना चाहते कि ईश्वर के शुद्धीकरण की कल्पना ही अपने आप में ओछे सोच वाली बात है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी अपने आश्रम में सर्वधर्म प्रार्थना किया करते थे। सारे आश्रमवासी मिलकर सब धर्मों की प्रार्थनाएं बोला करते थे। इन्हीं प्रार्थनाओं में बापू का प्रिय भजन भी था-- रघुपति राघव राजाराम...। दांडी मार्च के दौरान बापू का यह भजन बहुत लोकप्रिय हुआ था। कहते हैं इसकी रचना संत प्रवर लक्ष्मणाचार्य ने की थी। लेकिन बापू जिस भजन को गाया करते थे, गवाया करते थे, उसमें संभवत: उन्होंने ही कुछ जोड़ा अवश्य था।

वह जोड़ा हुआ अंश है-- 'ईश्वर अल्ला तेरो नाम, सबको सन्मति दे भगवान।' भला इसमें किसी को क्या आपत्ति हो सकती थी! आजादी की लड़ाई के दौरान बहुत लोकप्रिय हुआ था यह भजन। आज भी यह भजन धार्मिक कार्यक्रमों से लेकर राजनीतिक सभाओं में भी गाया जाता है। कुछ अर्सा पहले पटना की एक राजनीतिक सभा में एक भोजपुरी गायिका जब इसे गा रही थीं तो कुछ लोगों ने प्रतिवाद किया। उनकी शिकायत थी कि मूल भजन में ईश्वर-अल्ला वाली बात नहीं थी, गांधीजी ने क्यों जोड़ी? सभा में इस बात को लेकर हंगामा मच गया था। गायिका को माफी मांग कर स्थिति को संभालने की कोशिश करनी पड़ी थी! गांधीजी ने जब रघुपति राघव वाले उस भजन में ईश्वर अल्लाह को एक बताने वाली बात जोड़ी होगी, तो निश्चित रूप से इसके पीछे सांप्रदायिकता को नकारने का भाव रहा होगा। गांधीजी के जीवन काल में इस बात का शायद ही कहीं विरोध हुआ होगा। विरोध होता तो वे निश्चित रूप से धार्मिक कट्टरता को बढ़ावा देने वालों को समझाते कि ईश्वर अल्लाह में भेद करके हम न केवल अपने अज्ञान को प्रकट करते है, बल्कि मनुष्यता के विरुद्ध एक अपराध भी करते हैं। इनके माध्यम से ही हम उस सर्वशक्तिमान की वंदना करते हैं, जिसने इस सृष्टि की रचना की है।

ईश्वर की इस सृष्टि में धर्म, जाति, वर्ग, वर्ण के आधार पर बंटवारे की रेखाएं खींच कर हम वस्तुत: उस शक्ति को ही नकारते हैं। यही सब देखकर शायर ने कहा होगा, 'मजहब बेनाम हो जाये तो सुकूं मिले...' गजल में आगे कहा गया है—'हर खुदा में है, खुदा हर में है, यह बात अम्ल हो जाये तो, सुकूं मिलें'। यहां पहला हर हरि यानी ईश्वर है। खुदा और हरि के इस रिश्ते को समझना जरूरी है। इसे मान कर, इसके अनुरूप आचरण करना जरूरी है। हम तो 'वसुधैव कुटुम्बकम' को मानने वाले हैं, सर्वे भवन्तु सुखिन: के दर्शन की बात करते है। ईश्वर की रची इस सृष्टि में आदमी और आदमी के बीच अंतर पैदा करके हम रचयिता को ही अपमानित करते हैं। भगवान महावीर ने अनेकांतवाद का दर्शन दिया था। सबसे पहले तो हमें यह बात अपने नेताओं को समझानी होगी, जो अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिए हमें धर्मों और जातियों में बांटने का घटिया खेल खेलते रहते हैं।

तोरई

भारतीय रसोई में तोरई, जिसे कई जगहों पर तुरई, झींगा, या नेनुआ भी कहा जाता है, एक सामान्य लेकिन बेहद गुणकारी हरी सब्जी है। अक्सर लोग इसे साधारण सब्जी मानकर इसकी पौष्टिक खूबियों को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यह वास्तव में पोषक तत्वों का भंडार है। यह कम कैलोरी वाली सब्जी हमारे स्वास्थ्य के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। तोरई एक मौसमी सब्जी है जो मुख्य रूप से गर्मियों और मानसून में मिलती है। तोरई में फाइबर, विटामिन ए, सी, बी, पोटैशियम, मैग्नीशियम और शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं। यह न केवल आपके पाचन तंत्र को मजबूत करती है, बल्कि हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और डायबिटीज को नियंत्रित करने में भी अहम भूमिका निभाती है। रोजाना अपनी डाइट में तोरई को शामिल करने से आपके शरीर में कई सकारात्मक बदलाव देखे जा सकते हैं।

पाचन में लाभकारी

तोरई के औषधीय गुणों से पाचन के लिए लाभकारी होती है। इसमें विटामिन, फाइबर और पानी की प्रचुरता होती है, जो शरीर को ठंडक देती है और पाचन को सुधारती है। तोरई में अधिक मात्रा में फाइबर और पानी होता है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है। यह कब्ज, अपच, और गैस जैसी समस्याओं को दूर करता है। तोरई का उपयोग पीलिया और बवासीर जैसी बीमारियों में फायदेमंद होता है। इसके प्राकृतिक तत्व सूजन और संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं। तोरई हल्की होती है और आसानी से पच जाती है, इसलिए बीमार लोगों या गर्मी में थकावट महसूस करने वालों के लिए यह बहुत फायदेमंद होती है।

वजन नियंत्रण

तोरई का वानस्पतिक नाम लफ्फा एक्यूटांगुला है। यह एक बारहमासी पौधा है, जो भारत के अलावा, दक्षिण-पूर्व एशिया, चीन, जापान, मिस्र और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में पाया जाता है। रोजाना तोरई की सब्जी खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है, जिससे अधिक खाने की इच्छा कम होती है। यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है और शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। सलाद, करी, या सूप के रूप में इसका सेवन पाचन को बेहतर बनाता है। तोरई में कैलोरीज की मात्रा कम होती है और यह फाइबर से भरपूर होती है। इस सब्जी को खाने से वजन को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

खाने से शरीर में होते हैं पॉजिटिव बदलाव

हृदय स्वास्थ्य में फायदेमंद

तोरई डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद है, क्योंकि इसमें इंसुलिन जैसे पेप्टाइड्स होते हैं, जो ब्लड शुगर और यूरिन में ग्लूकोज के लेवल को कम करते हैं। इसके एंटीऑक्सिडेंट्स और पोटैशियम कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करते हैं और ब्लडप्रेशर को संतुलित रखते हैं, जिससे हृदय रोग का जोखिम कम होता है। तोरई में मौजूद विटामिन सी और मैग्नीशियम हृदय की कार्यक्षमता को बढ़ाते हैं। और हृदय को फ्री रेडिकल्स के नुकसान से बचाते हैं। एंटीऑक्सीडेंट्स का सेवन हृदय को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।

त्वचा में सुधार

तोरई में मौजूद विटामिन ए और एंटीऑक्सिडेंट्स त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाने में मदद करते हैं। इसके अलावा, विटामिन सी इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है, जिससे सर्दी-जुखाम और संक्रमण से बचाव होता है। मानसून में तोरई की सब्जी खाने से नमी से होने वाली बीमारियों से सुरक्षा मिलती है।

हंसना मना है

बस में एक युवती चढ़ी। सारी सीटें भरी हुई थीं अतः उसे खड़ा रहना पड़ा। कुछ देर बाद एक युवक उठने लगा, तो युवती बोली-'आप बैठे रहें, मैं खड़ी होकर ही यात्रा कर लूंगी। इसी तरह दो-तीन बार हुआ, पर इस बार युवक सीट छोड़कर जाने लगा। युवती ने कहा-आप बैठे रहो न। युवक ने कहा-'आपके 'बैठे रहो' के कारण मैं तीन स्टॉप आगे आ गया हूं।

दुकानदार- बताइए जनाब क्या चाहिए? राहुल- अपने होने वाली बीवी के कुत्ते के लिए केक चाहिए, दुकानदार- यहीं खाओगे या पैक कर दूं।

एक अविवाहित से उसके शादीसुदा मित्र ने पूछा-'आपने आज तक शादी क्यों नहीं की? उसने मुस्कराते हुए उत्तर दिया-'जाको राखे साइयां, मार सके ना कोय।

राजेश-'चुनाव में स्वस्थ अभियान कब होता है? दिलीप-'जब एक उम्मीदवार दूसरे के बारे में झूठ बोलना छोड़ दे एवं दूसरा भी पहले के बारे में सत्य कहना बंद कर दे।

ज्योंतिषी (रीता से)-'अच्छा, तो तुम खुद प्रेमी का आनेवाला कल जानना चाहती हैं? रीता-'जी नहीं, उसका आनेवाला कल तो मेरे हाथ में है। तुम उसके अतीत के बारे में बताइए।

कहानी | सूर्य और वायु

एक बार की बात है, एक दिन सूर्य और हवा में अचानक विवाद होने लगा। दोनों इस बात पर बहस करने लगें की उन दोनों में सबसे अधिक शक्तिशाली कौन है। वायु बड़ी ही घमंडी और जिद्दी स्वाभाव की थी। उसे अपनी शक्ति पर बड़ा ही गुरूर था। उसका मानना था कि वह अगर तेज गति से बहने लगे, तो बड़े-बड़े पेड़ों को उखाड़ सकती है। उसमें मौजूद आर्द्रता नदियों और झीलों के पानी को भी जमा सकती है। अपने इसी घमंड के चलते वायु ने सूर्य से बहस करते हुए कहा- मैं तुमसे ज्यादा शक्तिशाली हूं। मैं चाहूं तो किसी को भी अपने झोंके से हिला सकती हूं। सूर्य ने हवा की बात मानने से इंकार कर दिया और कहा बड़े ही शांत तरीके से कहा - देखो कभी भी अपने पर घमंड नहीं करना चाहिए। हवा यह सुनकर चिढ़ गई और खुद को ज्यादा शक्तिशाली बताती रही। इस पर दोनों आपस में बहस कर ही रहे थे कि उन्हें तभी रास्ते में एक आदमी दिखाई दिया। उस आदमी ने कोट पहना हुआ था। उसे देखकर सूर्य के मन में एक योजना आई। उसने हवा से कहा- जो भी इस आदमी को उसका कोट उतारने के लिए मजबूर कर देगा, उसे ही अधिक शक्तिशाली माना जाएगा। हवा ने बात मान ली और कहा- ठीक है। सबसे पहले मैं कोशिश करूंगी। तब तक तुम बादलों में छिप जाओ। सूर्य बादलों के पीछे छिप गया। फिर हवा बहने लगी। वह धीमे-धीमे बहने लगी, लेकिन उस आदमी ने अपना कोट नहीं उतारा। फिर वह तेजी से बहने लगी। हवा तेज होने की वजह से उस आदमी को ठंड लगने लगी और उसने अपने कोट से शरीर को अच्छे से लपेट लिया। बहुत देर तक ठंडी और तेज हवा बहती रही, लेकिन उस आदमी ने अपना कोट नहीं उतारा। अंत में हवा थककर शांत हो गई। इसके बाद सूर्य की बारी आई। वह बादलों से बाहर निकला और हल्की धूप करके चमकने लगा। हल्की धूप होते ही उस व्यक्ति को ठंड के तापमान से थोड़ी राहत मिली, तो उसने अपना कोट ढीला कर दिया। इसके बाद फिर सूर्य तेजी से चमकने लगा और तेज धूप निकल गई। तेज धूप होते ही आदमी को गर्मी लगने लगी और उसने अपना कोट उतार दिया। जब हवा ने यह देखा, तो वह खुद पर शर्मिंदा होने लगी और उसने सूर्य के सामने अपनी हार मान ली। इस तरह घमंडी वायु का अंहकार भी टूट गया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी न करें। लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी।

वृषभ

नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग कार्य में गति प्रदान करेगा।

मिथुन

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। निवेशादि करने का मन बनेगा।

कर्क

धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। किसी भी प्रकार के झगड़ों में न पड़ें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

सिंह

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। सभी ओर से खुश खबरें प्राप्त होंगी। पारिवारिक चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा।

कन्या

ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

तुला

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा।

वृश्चिक

किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है।

धनु

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देंगे।

मकर

घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। बाहर जाने का मन बनेगा। लाभ होगा।

कुम्भ

अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मीन

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

मनोज के साथ हिंदी फिल्म में काम करेंगे राणा दग्गुबाती

'हुबली' फेम अभिनेता व निर्माता राणा दग्गुबाती की प्रोडक्शन कंपनी 'स्पिरिट मीडिया' ने अपनी पांच आगामी फिल्मों की घोषणा कर दी है। सबसे खास बात कि इस लिस्ट में राणा दग्गुबाती के प्रोडक्शन हाउस की पहली हिंदी फिल्म भी शामिल है। इसमें बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी नजर आएंगे। राणा दग्गुबाती के स्पिरिट मीडिया की पहली हिंदी फिल्म अरविंद अडिगा के लोकप्रिय उपन्यास 'लास्ट मैन इन टावर' का रूपांतरण होगी। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी प्रमुख भूमिका में होंगे। इस फिल्म का निर्देशन अमेरिकी निर्देशक बेन रेखी करेंगे, जिन्होंने पहले आश्रम (2018) और वॉच लिस्ट (2019) का निर्देशन किया था। फिल्म की कहानी भारत की पृष्ठभूमि में नैतिक समझौतों, महत्वाकांक्षाओं और मानवीय रिश्तों की नाजुकता को दर्शाती है। अपने प्रोडक्शन हाउस की पहली हिंदी फिल्म और मनोज बाजपेयी के साथ करने पर राणा दग्गुबाती ने कहा कि मुझे लास्ट मैन इन टावर के रूपांतरण के साथ स्पिरिट के हिंदी प्रोडक्शन की शुरुआत की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। हमारी पहली हिंदी फिल्म के लिए इससे बेहतर टीम नहीं हो सकती थी। कांथा, लास्ट मैन इन टावर का रूपांतरण और अन्य फिल्में जिन्हें हम अलग-अलग क्षमताओं में सहयोग दे रहे हैं, इन सभी ने हमें अलग-अलग क्रिएटिव टीमों निर्देशकों, लेखकों और प्रोड्यूसर्स के साथ काम करने का मौका दिया है। मनोज बाजपेयी ने फिल्म को लेकर कहा कि राणा दग्गुबाती के स्टूडियो के साथ इसके पीछे उद्देश्य और समर्थन की एक मजबूत भावना है। ईमानदार कहानी कहने में उनका विश्वास फिल्म को वह जगह और आत्मविश्वास देता है, जिसकी वह हकदार है। बेन रेखी के साथ काम करना एक बहुत ही संतोषजनक अनुभव रहा है। मनोज बाजपेयी स्टारर इस हिंदी फिल्म की घोषणा स्पिरिट मीडिया की पहली होम प्रोडक्शन फिल्म 'कांथा' की रिलीज से पहले हुई है। जिसमें दुलकर सलमान होंगे और इसका निर्देशन सेल्वामणि सेल्वराज ने किया है। तमिल पीरियड-ड्रामा थ्रिलर 'कांथा' 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मेरे लिए दर्शक ही सबसे बड़ा पुरस्कार : यामी

नॉमिनेशन के बाद अवॉर्ड न मिलने पर गौतम ने दी प्रतिक्रिया

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'हक' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। 'हक' अपनी रिलीज के करीब है और यामी फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। 'विकी डोनर' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली यामी गौतम ने अपने करियर में कई सराहनीय भूमिकाएं भी निभाई हैं। अब यामी ने कई बड़े अवॉर्ड्स में नामित होने के बावजूद उन्हें जीत न पाने पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया कि नॉमिनेशन मिलने के बाद अवॉर्ड न मिलने पर उन्हें कैसा महसूस होता है। हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया के साथ बातचीत के दौरान यामी ने कोई बड़ा अवॉर्ड न जीत पाने पर कहा कि इन पुरस्कारों को खोना उन्हें परेशान नहीं करता। इस दौरान भगवत गीता का जिक्र करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि जितना मैंने भागवत गीता को समझा है, भगवान कृष्ण ने अर्जुन से जो कहा वह सच है। ऐसा नहीं है कि मैं सबसे आदर्श इंसान की तरह इतनी अलग हो गई हूं, लेकिन अगर आपमें सफलता और हारने के डर से अलग होने या किसी और के नजरिए से मान्यता पाने की क्षमता है, तो आप ठीक हैं। मैंने किसी से किसी भी तरह की मान्यता लेना बंद कर दिया है। अगर अवॉर्ड मिलता है तो मैं बहुत अच्छी एक्ट्रेस हूं, वरना शायद नहीं हूं। ऐसा मेरे साथ बिल्कुल भी नहीं है। साल 2013 में आई अपनी पहली फिल्म 'विकी डोनर' के लिए यामी ने बेस्ट डेब्यू फीमेल के कई अवॉर्ड जीते थे। लेकिन उसके बाद कई बड़े अवॉर्ड्स में नामित होने के बाद भी, यामी उन्हें जीत नहीं पाईं। इस पर अभिनेत्री ने कहा कि अब वह दर्शकों की प्रतिक्रिया से अपनी मान्यता लेती है। मेरे दर्शक मुझे प्यार करते हैं, कुछ निर्देशक और निर्माता मुझ पर दांव लगाने को तैयार हैं, इससे बड़ा पुरस्कार मेरे लिए क्या है। बाकी सब आना जाना है। लेकिन अगर यह किसी को खुश करता है, तो बढ़िया। वर्कफ्रंट की बात करें तो यामी गौतम जल्द ही इमरान हाशमी के साथ कोर्ट रूम ड्रामा 'हक' में नजर आएंगी। शाह बानो केस से प्रेरित इस फिल्म में यामी एक मुस्लिम महिला की भूमिका में हैं, जो देश के कानून को चुनौती देती है और तलाक के बाद अदालत में अपने लिए गुजारा भत्ता मांगती है। सुपर्ण एस वर्मा द्वारा निर्देशित यह फिल्म 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

शामला को मिला सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार

शामला को मिला है सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार

केरल स्टेट अवॉर्ड 2025 के विजेताओं की घोषणा बीते दिन सोमवार को हुई। इसमें अभिनेत्री शामला हमजा को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के तौर पर सम्मानित किया गया है। फिल्म फेमिनिची फातिमा के लिए इस उपलब्धि पाकर एक्ट्रेस ने अपनी खुशी जाहिर की। पढ़िए उन्होंने क्या कहा। एएनआई से बात करते हुए, शामला हमजा ने कहा, यह मेरी दूसरी फिल्म है और मैं बहुत खुश और उत्साहित हूं कि मुझे सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का केरल राज्य फिल्म पुरस्कार मिला। मुझे इस फिल्म में काम करने का मौका केवल फिल्म '1001 नुनाकल' की वजह से मिला। मैं वास्तव में टीम और निर्देशक फासिल मुहम्मद की आभारी हूं। अभिनेत्री शामला हमजा को पुरस्कार मिलने के बाद से उन्हें बधाइयां मिल रही हैं। इस कड़ी में साउथ सुपरस्टार ममूटी ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं। इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, मुझे सच में समझ नहीं आ रहा कि क्या कहूं। उनका संदेश देखकर मैं बहुत खुश हूं। उन्होंने बस इतना कहा, बधाई हो और मेरे लिए खुश होने के लिए यही काफी है। मलयालम फिल्म 'फेमिनिची फातिमा' के लिए फासिल मुहम्मद को बेस्ट डेब्यू डायरेक्टर का अवॉर्ड मिला। हाल ही में यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म 'फेमिनिची फातिमा' 29वें केरल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिव में भी खूब सराही गई। मलयालम अभिनेता ममूटी को फिल्म 'ब्रह्मयुगम' के लिए मिला बेस्ट एक्टर अवॉर्ड मिला। वहीं 'मंजुमल बॉयज' को केरल स्टेट अवॉर्ड 2025 में बेस्ट फिल्म और बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड मिला है। रैपर वेदान को इस के फिल्म गाने 'कुथांथ्रम' के लिए बेस्ट लिरिसिस्ट का अवॉर्ड मिला।

भगवान ने नहीं...इंसानों ने बनाई ये 7 करोड़ की दुर्लभ मछली!

दुनिया में मछली की 34,000 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, लेकिन टेक्नोलॉजी के युग में अब भगवान नहीं, इंसान भी मछलियां बनाने लगे हैं। ऐसी ही एक मछली फ्लावरहॉर्न है, जिसे क्रॉसब्रीड करके लैब में तैयार किया गया है। इसको फूड दिखाकर ट्रेनिंग दी जाती है, यह लोगों की तनहाई को दूर करने में मदद करती है। यही नहीं, ये मछली इंसानों के साथ खेलती है। उनकी बोरियत को दूर कर टाइम पास करवाती है या यूं कहें कि कभी-कभी ये मछली इंसानों की अच्छी दोस्त भी बन जाती है। लेकिन, यह अकेले रहना ही पसंद करती है। इतना ही नहीं, यह लड़ाई करने में भी एक्सपर्ट होती है। फेंगुशाई देशों में इसे गुड लक फिश के नाम से जाना जाता है। इसकी और भी खासियत हैं, जो हैरान करेंगी। सागर के फिशरी स्टूडेंट उत्कर्ष सेन बताते हैं, 1990 के दशक में मलेशिया और थाईलैंड की लैब में सिक्लिड प्रजातियों को क्रॉस करके यह मछली बनाई गई है। यह लाल, सुनहरे, नीले और चांदी जैसे चमकीले रंग की होती है। उनके सिर पर बड़ा सा कूबड़ होता है, जो काफी आकर्षित करता है। इनके बड़े से सिर पर कुछ निशान होते हैं, जो अंकों या अक्षरों जैसे दिखते हैं। ऐसा माना जाता है कि अगर मछली के शरीर के पैटर्न पर आठ जैसा अंक दिखे तो यह धन और समृद्धि लाती है। इस दुर्लभ मछली की उम्र 8 से 12 साल तक होती है। सही तरीके से देखभाल करने पर यह संभव हो पाता है। चीन और जापान में इस मछली को बहुत शुभ माना जाता है। इंडिया में भी उसको फॉलो किया जाता है। क्योंकि, इसको जिस ढंग से बनाया गया है, उसमें कुछ स्ट्रक्चर दिखाई देता है, जो चीन-जापान की साइन लैंग्वेज है। उत्कर्ष आगे बताते हैं कि यह मछली जितनी रेयर होती है, उसकी कीमत उतनी ही अधिक होती है। लोकल फ्लावरहॉर्न की कीमत 3000 से 7000 तक जबकि रेयर फ्लावर हॉर्न की कीमत 7 करोड़ तक होती है। यह डिपेंड करता है कि वह कितनी खास है और क्या दुर्लभ है। अब तक रेड मंकी फ्लावर हॉर्न की सबसे अधिक कीमत 7 करोड़ 50 लाख रही है।

अजब-गजब | नेपाल में इस दिन की जाती है कुत्तों की पूजा

कुत्तों को देवताओं के समान देते हैं सम्मान

कुकुर तिहार एक ऐसा पर्व है जो नेपाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है। वहां इसे वफादारी और प्रेम के सम्मान के रूप में मनाया जाता है। कुत्तों के प्रति इस अनोखे सम्मान ने कुकुर तिहार को विश्व भर में प्रसिद्ध बना दिया है। इस पर्व को लेकर मान्यता है कि सभी जीव एक-दूसरे से जुड़े हैं, और हमें सभी के प्रति दया और सम्मान की भावना रखनी चाहिए। नेपाल में हर साल दीपावली के आसपास एक अनोखा और हृदयस्पर्शी पर्व मनाया जाता है, जिसे कुकुर तिहार या कुत्तों का त्यौहार कहा जाता है। यह पर्व तिहार उत्सव के पांच दिनों में से दूसरे दिन मनाया जाता है, जो आमतौर पर अक्टूबर या नवंबर में पड़ता है। इस दिन, नेपाल के लोग कुत्तों को देवताओं के समान सम्मान देते हैं, उनकी पूजा करते हैं और उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। यह पर्व न केवल कुत्तों के प्रति प्रेम और वफादारी को दर्शाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि हिंदू संस्कृति में पशुओं के प्रति कितना गहरा सम्मान है। नेपाल का यह पर्व तिहार महापर्व का एक हिस्सा है और इसे कुकुर पूजा के नाम से जाना जाता है। तिहार महापर्व में कुत्तों को समर्पित यह दिन विशेष रूप से उनके सम्मान और योगदान को मान्यता देने के लिए मनाया जाता है। इस दिन, लोग अपने पालतू कुत्तों और सड़क पर घूमने वाले कुत्तों को तिलक लगाकर, फूलों की माला पहनाकर और स्वादिष्ट भोजन अर्पित करके उनका आदर करते हैं। कुकुर तिहार का महत्व हिंदू धर्म की मान्यताओं और पौराणिक कथाओं से जुड़ा है। हिंदू धर्म में कुत्तों को यमराज, मृत्यु के देवता, के दूत के रूप में देखा जाता है। मान्यता है कि कुत्ते मृत आत्माओं को यमलोक तक ले जाते हैं। इस विश्वास के कारण, कुत्तों की पूजा करके लोग यमराज को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं और जीवन में लंबी आयु और सुरक्षा की कामना करते हैं। इसके अलावा, कुत्ते को भगवान भैरव का वाहन भी माना जाता है। यह विश्वास इस पर्व को और भी खास बनाता है, क्योंकि कुत्तों को न केवल वफादार साथी के रूप में देखा जाता है, बल्कि उन्हें आध्यात्मिक महत्व भी दिया जाता है। इस दिन कुत्तों की पूजा करके लोग उनकी वफादारी, निष्ठा और सुरक्षा के गुणों का सम्मान करते हैं। कुकुर तिहार का एक अन्य महत्व यह है कि यह पर्व जानवरों के प्रति प्रेम और सम्मान को बढ़ावा देता है। मान्यता है कि इससे इंसान और पशु के बीच का रिश्ता कितना गहरा और मूल्यवान हो सकता है। नेपाल में इस दिन न केवल पालतू कुत्तों को, बल्कि सड़कों पर रहने वाले आवारा कुत्तों को भी सम्मान और प्यार दिया जाता है। यह पर्व समाज में सभी प्राणियों के प्रति दया और करुणा की भावना को प्रोत्साहित करता है। कुकुर तिहार को बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।

पीएम मोदी पर कांग्रेस का प्रहार

व्हाइट हाउस की प्रवक्ता लेविट के बयान पर बवाल

» **विपक्ष बोला- ट्रंप से उनकी बात होती है फिर क्यों करते है इनकार**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट के एक बयान का हवाला देते हुए पीएम मोदी पर करारा प्रहार किया। विपक्ष ने बुधवार को सवाल किया कि आखिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस बात से इनकार क्यों करते हैं कि उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत होती है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कैरोलिन लेविट की टिप्पणी का वीडियो साझा किया जिसमें उन्होंने कहा है कि ट्रंप प्रधानमंत्री मोदी का बहुत सम्मान करते हैं और दोनों एक-दूसरे से अक्सर बातचीत करते हैं। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''10 मई को शाम 5:37 बजे अमेरिकी विदेश मंत्री (मार्को रुबियो) की घोषणा से भारत के लोगों को पता चला कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अचानक रोक दिया गया है। अब व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट से भारत के लोगों को पता चला है कि राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी व्यापार (या) सौदे पर अक्सर एक-दूसरे से बात करते रहे हैं।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि दोनों नेताओं को वास्तव में एक-दूसरे से बात करनी चाहिए।

बीजेपी-जदयू सरकार महिलाओं को सुरक्षा नहीं दे पाई : जयराम रमेश

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बिहार की महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर बीजेपी-जेडीयू सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि बीते 20 साल में महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान की लगातार अनदेखी हुई और अब चुनाव आते ही वोट के लिए डिजिटल संवाद का ढोंग किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाते हुए दावा किया कि भाजपा-जदयू शासन में बिहार की महिलाएं असुरक्षा, बीमारी और कर्ज के जाल में फंसी हुई हैं। पहले सवाल में जयराम रमेश ने महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध को लेकर कहा कि पिछले दो दशकों में महिलाओं के खिलाफ अपराध में 336 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पहले जहां हर साल करीब 6,015 मामले दर्ज होते थे, अब यह बढ़कर 20,222 मामले प्रति वर्ष हो गए हैं। कुल मिलाकर अब तक 2.8 लाख महिलाएं इन अपराधों की शिकार बनी हैं। उन्होंने बताया कि 1,17,947 मामले अभी भी अदालतों में लंबित हैं, यानी 98.2 प्रतिशत पेंडेंसी जो पूरे देश में सबसे अधिक है। कांग्रेस नेता ने कहा कि महिलाओं के अपहरण के मामलों में भी 1097 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है पहले औसतन 929 मामले प्रति वर्ष, अब यह संख्या 10,190 प्रति वर्ष हो गई है। जयराम रमेश ने पूछा इतने रिकॉर्डतोड़ अपराधों के बावजूद भाजपा-जदयू सरकार महिलाओं को सुरक्षा क्यों नहीं दे पाई?

किशोरियों में एनीमिया के बढ़ते मामले का उठाया मुद्दा

दूसरे सवाल में उन्होंने महिलाओं और किशोरियों में एनीमिया (खून की कमी) के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार बिहार की स्थिति लगातार बिगड़ रही है। गैर-गर्भवती महिलाओं (15-49 वर्ष) में एनीमिया के मामले 60.4 प्रतिशत से बढ़कर 63.6 प्रतिशत, सभी महिलाओं में 60.3 प्रतिशत से बढ़कर 63.5 प्रतिशत, और किशोर लड़कियों (15-19 वर्ष) में 61 प्रतिशत से बढ़कर 65.7 प्रतिशत हो गए हैं। रमेश ने कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य पर इतना बड़ा संकट होने के बावजूद भाजपा-जदयू सरकार ने आंखें क्यों मूंद ली? तीसरे सवाल में उन्होंने बिहार की महिलाओं के माइक्रोफाइनेंस कर्ज जाल की स्थिति को लेकर गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस नेता ने कहा कि राज्य में 1 करोड़ 9 लाख महिलाएं माइक्रोफाइनेंस कर्ज के बोझ तले दबी हैं और औसतन प्रत्येक महिला पर 30,000 रुपए तक का बकाया है। जयराम रमेश के मुताबिक वसूली एजेंटों की धमकियों, सामाजिक अपमान, पलायन और आत्महत्याओं के मामलों में तेजी आई है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि माइक्रोफाइनेंस माफिया को आखिर किसका संरक्षण मिला हुआ है?

महाराष्ट्र में नगर परिषद व नगर पंचायत चुनाव का ऐलान

» **2 दिसंबर को मतदान**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग ने राज्य की नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायत निकायों के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। राज्य चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे ने मुंबई में एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि 246 नगर पालिका परिषदों और 42 नगर पंचायतों के लिए 2 दिसंबर को मतदान होगा।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब राजनीतिक तनाव बढ़ रहा है और विपक्षी दल चुनाव स्थगित करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने 1 जुलाई को संशोधित मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं पर चिंता जताई है और दावा किया है कि इसमें डुप्लिकेट और फर्जी प्रविष्टियां हैं और इनकी गहन जांच की आवश्यकता है। डुप्लिकेट मतदान रोकने के लिए एक सत्यापन प्रणाली शुरू की गई है। जब कोई मतदाता मतदान केंद्र पर पहुंचेगा, तो कुछ प्रविष्टियों के लिए एक दोहरा सितारा चिह्न प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे मतदान अधिकारियों को मतदाता की पहचान सत्यापित करने की सूचना मिल जाएगी। ऐसे मतदाताओं को यह पुष्टि करने के लिए एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वे कहीं और मतदान नहीं कर रहे हैं।

विराट कोहली ने मनाया 36वां जन्मदिन, बधाईयों का तांता

» **सर्वाधिक वनडे शतक जड़ने वाले बल्लेबाज विराट**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली आज यानी की 05 नवंबर को अपना 36वां जन्मदिन मना रहे हैं। विराट कोहली विश्व के महानतम बल्लेबाजों में से एक हैं। इस भारतीय क्रिकेटर के नाम कई विश्व रिकॉर्ड हैं। बता दें कि विराट कोहली अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वाधिक वनडे शतक जड़ने वाले बल्लेबाज हैं। इंटरनेशनल लेवल पर तीनों फॉर्मेट में कुल मिलाकर सबसे ज्यादा सेंचुरी जड़ने वालों में विराट कोहली दूसरे पायदान पर हैं।

देश की राजधानी दिल्ली में 05 नवंबर 1988 को विराट कोहली का जन्म हुआ था। इनके पिता का नाम प्रेम कोहली था, जोकि एक वकील थे। वहीं उनकी मां का नाम सरोज कोहली है। विराट कोहली दिल्ली के उत्तम नगर में पले-बढ़े और इसी शहर से उन्होंने अपने क्रिकेट करियर की शुरूआत महज 9 साल की उम्र से की थी। उन्होंने अपने बचपन के कोच राजकुमार शर्मा की देखरेख में क्रिकेट की बारीकियों को सीखा था। साल 2002 में विराट कोहली ने घरेलू क्रिकेट में कदम रखा था। उन्होंने दिल्ली की अंडर 15 टीम की तरफ से अपना मैच खेला और साल 2003 में उन्होंने टीम की कमान भी सौंपी गई। अंडर 15 में बल्ले से धमाल मचाने के बाद विराट कोहली का सिलेक्शन विजय मर्चेंट ट्रॉफी के लिए हुआ था। इस टूर्नामेंट में कोहली ने अपने बल्ले और कप्तानी दोनों से छाप छोड़ने का काम किया। इस दौरान कोहली के बल्ले से दो शतक निकले। वहीं 18 अगस्त 2008 को विराट कोहली ने श्रीलंका के खिलाफ वनडे डेब्यू किया। फिर 12 जून 2010 को जिंबाबे के खिलाफ टी20 में पदार्पण का मौका मिला।

इंटरनेशनल करियर

साल 2008 में विराट कोहली ने इंटरनेशनल क्रिकेट की पिच पर पहली बार कदम रखा। इसके बाद विराट कोहली ने भारत के लिए कई यादगार पारियां खेलीं, जिसके दम पर उनको वर्ल्ड कप 2011 की टीम में भी जगह मिली थी। बता दें कि कोहली अब तक भारत के लिए कुल 111 टेस्ट मैच खेल चुके हैं। विराट कोहली के नाम क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में 29 शतक और 29 अर्धशतक दर्ज हैं। किंग कोहली अपने पसंदीदा फॉर्मेट में 58.69 की औसत से 13,794 रन बना चुके हैं। विराट कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक जमाने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। वह अब तक 80 शतक लगा चुके हैं।

सरकार की चुप्पी पर निकाय कर्मियों का फूटा गुस्सा

» **महासंघ ने दी चेतावनी 10 नवम्बर से होगी कार्यबंदी**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के आवाहन पर 17 अक्टूबर से नगर निगम लखनऊ मुख्यालय पर चल रहा क्रमिक अनशन आज 17वें दिन भी जारी रहा।

महासंघ ने सरकार की बेरुखी पर गहरा रोष जताते हुए चेतावनी दी कि यदि 07 नवम्बर तक कर्मचारियों की 10 सूत्रीय मांगों पर आदेश जारी नहीं हुए तो 10 नवम्बर से प्रदेशभर में कार्यबंदी शुरू की जाएगी। आज

के अनशन में कानपुर, प्रयागराज और गोरखपुर नगर निगमों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। सभी ने काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज किया। महासंघ ने कहा कि सरकार की उदासीनता से कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है और मजबूरन अब सफाई व कूड़ा निस्तारण जैसी सेवाएं ठप करनी पड़ेंगी। महासंघ के आंदोलन को प्रदेश के अन्य संगठनों का भी समर्थन मिल रहा है। आज उ.प्र. चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष रामराज दुबे, महामंत्री सुरेश सिंह यादव व संरक्षक महेन्द्र कुमार पाण्डेय सहित कई पदाधिकारी अनशन स्थल पर पहुंचे और समर्थन जताया। यह जानकारी शशि कुमार मिश्र, प्रदेश अध्यक्ष उ.प्र. स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ ने दी।

मराठी मां, उत्तर भारतीय मौसी के बयान पर घमासान

» **शिवसेना विधायक चौतरफा घिरे, विपक्षी दलों और मराठी संगठनों ने तीखी आलोचना की**

» **झुके विधायक प्रकाश सुर्वे, मांगी माफी**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायक प्रकाश सुर्वे ने हिंदी-मराठी भाषा विवाद पर अपनी टिप्पणी से विवाद खड़ा कर दिया है। सुर्वे ने कहा कि मराठी उनकी माँ है, जबकि हिंदी उनकी मौसी है। उन्होंने कहा कि माँ मर जाए तो कोई बात नहीं, लेकिन मौसी नहीं मरनी चाहिए।

उत्तर भारतीय समुदाय के

सदस्यों द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए, सुर्वे ने एक मराठी कहावत का अनुवाद करके गैर-मराठी मतदाताओं की प्रशंसा करने की कोशिश की, लेकिन उनके शब्दों के चयन से विवाद पैदा हो गया। इस टिप्पणी की विपक्षी दलों और मराठी संगठनों ने तीखी आलोचना की, जिसके बाद सुर्वे ने सोमवार को माफी मांगी। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा था, ''मराठी मेरी मां है, लेकिन उत्तर भारत मेरी मौसी है। मां की मृत्यु हो जाए तो एक बार स्वीकार्य है, लेकिन मौसी को नहीं मरना चाहिए। क्योंकि मौसी हमसे ज्यादा प्यार करती हैं। मुझे अपनी मां से ज्यादा प्यार आप लोगों (उत्तर भारतीयों) से मिला है।

यह शब्द गलती से निकल गया और उन्होंने इसके लिए माफी मांग ली : उदय सामंत

महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने विधायक का बचाव करते हुए कहा कि यह शब्द गलती से निकल गया और उन्होंने इसके लिए माफी मांग ली है। हालांकि कुछ लोग उनके बयान का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ उठाने के लिए कर रहे हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में, हमने मराठी की गरिमा को बनाए रखने के लिए निरंतर काम किया है, जिसे शास्त्रीय का दर्जा दिया गया है। सुर्वे की टिप्पणी पर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा), महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) और मराठी एकीकरण समिति ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और मंगलवार को दहिसर में विरोध मार्च निकाला।

पहले चरण का प्रचार थमा, नेताओं ने विस क्षेत्रों को मथा

पहले चरण की 122 सीटों पर कल वोटिंग, विपक्ष व सत्ता पक्ष में जमकर वार-पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में 6 नवंबर को पहले चरण की वोटिंग है। उससे पहले मंगलवार 4 नवंबर को चुनाव प्रचार थम गया। इस बीच सभी सियासी इसदिन होने वाले 122 सीटों के लिए खूब दौर किए और विधान सभा क्षेत्रों को मथा। विपक्षी महागठबंधन ने सत्ता में बैठी एनडीए पर जमकर हमला बोला। बिहार की सियासी सरजमीं पर अब अग्निपरीक्षा का वक्त आ गया है।

महीनों की बयानबाजी, वादों और आरोप-प्रत्यारोप के बीच अब जनता की बारी है, तय करने की कि सत्ता की कुर्सी किसके हिस्से आएगी। 6 नवंबर को पहले चरण में 122 सीटों पर वोटिंग होगी, जहां जनता अपने प्रतिनिधियों का चयन करेगी। पहले चरण के लिए चुनाव प्रचार का शोर थम चुका है, लेकिन हवा में अब भी नारों, वादों और उम्मीदों की गूंज बाकी है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सेना को जाति और धर्म में बांटकर देखने की कोशिश कर रहे हैं, जो लोकतंत्र के लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। चिराग ने कहा, अगर इतनी चिंता थी तो सत्ता में रहते हुए सेना में विभाजन क्यों नहीं किया? चुनाव के वक्त ऐसे बयान देकर समाज में ध्रुवीकरण करना ठीक नहीं है। सेना को राजनीति में किसी भी रूप में नहीं लाना चाहिए।

भाजपा और एनडीए का अहंकार उन्हें बिहार में बर्बाद कर देगा : मृत्युंजय तिवारी

राजद नेता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि अमित शाह इस तरह बात कर रहे हैं, जैसे देश में लोकतंत्र ही नहीं बचा हो। उन्हें जनता पर भरोसा नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा और एनडीए का यही अहंकार उन्हें बिहार में बर्बाद कर देगा। तिवारी ने दावा किया कि एनडीए को बिहार चुनाव में 60 सीटें भी नहीं मिलेंगी, जबकि वे 160 सीटें जीतने का सपना देख रहे हैं।

तेजस्वी यादव ने दी गुरु नानक जयंती और कार्तिक पूर्णिमा की शुभकामनाएं

राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा, कार्तिक पूर्णिमा और गुरु नानक जयंती के पावन अवसर पर मैं सभी लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। गौरा बौराम विधानसभा क्षेत्र से विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के उम्मीदवार संतोष सहनी द्वारा नामांकन वापस लेने पर तेजस्वी यादव ने कहा, यह उनका अपना फैसला है। हम लोग तो एक ही परिवार जैसे हैं, कोई अलग नहीं हैं।

जन सुराज प्रत्याशी भाजपा के साथ आए

बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक एक दिन पहले मुंगेर विधानसभा क्षेत्र में बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिला है। जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी संजय कुमार सिंह ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया। संजय कुमार सिंह ने एनडीए प्रत्याशी कुमार प्रणय की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। उनके इस कदम से मुंगेर के चुनावी समीकरणों में बड़ा बदलाव होने की संभावना जताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, संजय सिंह ने भाजपा प्रत्याशी कुमार प्रणय के समर्थन में सक्रिय रूप से काम करने का भी ऐलान किया है। भाजपा प्रत्याशी कुमार प्रणय ने संजय कुमार सिंह का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि उनके शामिल होने से भाजपा का संगठन और मजबूत होगा, और मुंगेर में एनडीए की जीत तय है। वहीं, राजनीतिक गलियारों में इस घटनाक्रम को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। मतदान से ठीक पहले हुए इस फेरबदल को भाजपा के लिए बड़ा चुनावी फायदा माना जा रहा है।

मोकामा में दिए बयान पर ललन सिंह पर केस दर्ज

मोकामा में अनंत सिंह के समर्थन में प्रचार के दौरान दिए गए एक बयान पर केंद्रीय मंत्री और जेडीयू के नेता राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह पर एफआईआर दर्ज हुई है। इस पर बुधवार (05 नवंबर, 2025) को उनकी प्रतिक्रिया सामने आई है। ललन सिंह ने टिप्पणी को लेकर दर्ज एफआईआर पर कहा कि चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था है. हम सब चुनाव आयोग का सम्मान करते हैं. जिस वीडियो की बात हो रही है उसे अगर कोई पूरा सुनेगा तो पता चलेगा कि आरजेडी ने जो ट्वीट किया है वो भ्रामक है। ललन सिंह ने कहा, जिस गांव का ये वीडियो है वहां आरजेडी के एक दबंग नेता रहते हैं वो गरीबों को डरा धमका कर बूथ पर जाने नहीं देते। मैंने यही कहा है कि अगर ये नेता गरीबों को डराएं तो गांव के लोग उनको घेरकर बंद कीजिए। अगर वो मतदान के लिए जाना चाहें तो मतदान केंद्र पर मतदान कराके उन्हें फिर से घर पर रहने के लिए मजबूर कीजिए. गरीबों को धमका कर कोई वोट नहीं ले सकता। जेडीयू नेता ललन सिंह ने कहा, गरीब तो नीतीश कुमार का वोटर है. हमारा वोटर है. तो हम अपने वोटर की रक्षा नहीं करेंगे? हम अपने वोटर को उत्साहित नहीं करेंगे? हमारे वोटरों को डराइएगा-धमकाइएगा तो हम भी राजनीतिक दल हैं.हम उत्साहित करेंगे न कि डरना नहीं है वोट करना है? ये चुनाव आयोग भी करता है।

हाईकोर्ट ने लगाई योगी सरकार को फटकार

» अपहरण के मामले में अनावश्यक जांच जारी रखने के लिए उप्र सरकार पर जुर्माना लगाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार पर एक अपहरण के मामले में अनावश्यक जांच जारी रखने के लिए 75,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। अदालत ने कहा कि कथित पीड़िता ने मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दिया था कि वह अपनी मर्जी से दिल्ली अपनी बेटी से मिलने गई थी, इसके बावजूद जांच को जारी रखा गया। न्यायमूर्ति अब्दुल मोइन और न्यायमूर्ति बबीता रानी की खंडपीठ ने यह आदेश उम्मेद उर्फ उबैद खान और अन्य की याचिका पर पारित किया।

याचिकाकर्ताओं ने बहराइच जिले के मटेरा थाना क्षेत्र में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 140 (हत्या के लिए अपहरण) के तहत प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध किया था। अदालत ने निर्देश दिया कि लगाए गए जुर्माने में से 50,000 रुपये याचिकाकर्ता उम्मेद को दिए जाएं, जिन्हें 18 सितंबर 2025 को गिरफ्तार किया गया था और तब से जेल में बंद हैं। शेष 25,000 रुपये उच्च न्यायालय की कानूनी सेवा समिति को प्रदान किए जाएंगे। अदालत के अनुसार, जांच के दौरान महिला को बरामद किया गया और 19 सितंबर 2025 को उसे भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 183 के तहत न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। उसने अपने बयान में कहा कि वह अपनी इच्छा से घर छोड़कर गई थी, क्योंकि उसका पति उसे मारता-पीटता था। उसने धर्म परिवर्तन या अपहरण से संबंधित किसी भी आरोप से इनकार किया। अदालत ने कहा कि महिला के इस स्पष्ट बयान के बावजूद पुलिस ने जांच जारी रखी और उम्मेद को जेल में रखा, जो कि अनुचित और अवैधानिक था। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि जब महिला ने खुद दर्ज प्राथमिकी के आरोपों का समर्थन नहीं किया, तो जांच जारी रखने का कोई औचित्य नहीं था। अदालत ने टिप्पणी की कि उम्मेद को झूठी प्राथमिकी के आधार पर अनावश्यक रूप से हिरासत में रखा गया, और 13 सितंबर 2025 को दर्ज मामला रद्द कर दिया। साथ ही, अदालत ने आदेश दिया कि यदि वह किसी अन्य मामले में वांछित नहीं है, तो उसे तुरंत रिहा किया जाए।

पंजाब कांग्रेस प्रधान राजा वड़िंग पर एफआईआर

» पूर्व गृहमंत्री बूटा सिंह के बेटे ने शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़ । पंजाब पुलिस ने पूर्व गृह मंत्री बूटा सिंह के बेटे की शिकायत पर पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। बूटा सिंह के बेटे सरबजोत सिंह सिद्धू ने एसएसपी कपूरथला को एक शिकायत दी थी जिसके आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। इससे पहले राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने डीसी तरनतारन से वड़िंग पर की गई कार्रवाई की सात दिन में रिपोर्ट मांगी है।

आयोग ने कहा कि अगर तय समय में रिपोर्ट नहीं दी गई तो डीसी को तलब किया जाएगा। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग के आरोपों पर आयोग ने संज्ञान लिया है। रिपोर्ट में विभिन्न धाराओं के तहत

दर्ज एफआईआर और गिरफ्तारी के संबंध में विवरण मांगा गया है। इसी तरह पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने रिटर्निंग अधिकारी तरनतारन की रिपोर्ट को असंतोषजनक पाए जाने पर जिला चुनाव अधिकारी व डीसी तरनतारन को 6 नवंबर को पेश होने के आदेश दिए हैं। आयोग ने यह जानकारी भी जिला चुनाव अधिकारी से मांगी है कि आचार संहिता के अनुपालन के लिए वड़िंग को जिले की सीमा से बाहर क्यों नहीं किया गया। आयोग के चेयरमैन जसवीर सिंह गढ़ी ने बताया कि सहायक रिटर्निंग अधिकारी व नायब तहसीलदार जसविंदर सिंह ने को आयोग को पेश रिपोर्ट संतोषजनक नहीं पाई गई जिसके चलते जिला चुनाव अधिकारी को तलब किया गया है। इससे पहले वड़िंग को भी 6 नवंबर को आयोग के समक्ष पेश होने के लिए तलब किया जा चुका है।

मामले को रफा दफा करने के लिए मांगी माफी : चीमा

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि मामले को रफा दफा करने के लिए वड़िंग ने माफी मांगी है। आम आदमी पार्टी का लीगल सेल इसमें एससी/एसटी एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। चीमा ने कहा कि वड़िंग ऑल इंडिया यूथ कांग्रेस के पूर्व प्रधान, तीन बार विधायक और कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं और वर्तमान में सांसद हैं।

विजय की रैली में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी सीबीआई के सामने पेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अभिनेता-राजनीतिज्ञ विजय की रैली के दौरान हुए करूर भगदड़ हादसे की जांच ने रफ्तार पकड़ ली है। 27 सितंबर को विजय की पार्टी तमिलगा वेत्रि कझगम की रैली के दौरान 41 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 60 से अधिक लोग घायल हुए थे।

सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा व्यवस्था में शामिल पुलिस अधिकारी मंगलवार को सीबीआई के सामने पेश होकर घटना से संबंधित जानकारी दी। जांच एजेंसी ने हादसे वाली जगह वेलुसामिपुरम का दौरा किया और स्थानीय अधिकारियों से बातचीत कर मौके की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई अब यह पता लगाने में जुटी है कि भीड़ नियंत्रण में कहां चूक हुई और क्या सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया था।

कालका एक्सप्रेस की चपेट में आए 6 श्रद्धालुओं की मौत

» कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए जा रहे थे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मिर्जापुर। कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर यूपी के मिर्जापुर में बड़ा हादसा हो गया। चुनार रेलवे स्टेशन पर बुधवार सुबह कालका एक्सप्रेस की चपेट में आकर 6 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। दो घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ये लोग रेलवे ट्रैक करते समय ट्रेन की चपेट में आ गए। ट्रेन दुर्घटना के बाद चुनार रेलवे स्टेशन पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मौके पर आरपीएफ और रेलवे अधिकारी मौजूद हैं। राहत और बचाव कार्य चल रहा है।

बताया जा रहा है कि गलत दिशा में उतरने के कारण यह हादसा हुआ है। पुलिस और रेलवे प्रशासन के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। सभी श्रद्धालु गोमो चोपन पैसेंजर से चुनार रेलवे स्टेशन पर उतरे थे। ये लोग स्टेशन से बाहर जाने के लिए प्लेटफार्म क्रॉस कर रहे थे। प्लेटफार्म क्रॉस करते वक्त हावड़ा से कालका जा रही कालका मेल की चपेट में आ गए। इस दुर्घटना के बाद चुनार रेलवे स्टेशन पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। आरपीएफ ने यात्रियों से रेलवे ट्रैक पार ना करने की अपील की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख प्रकट करते हुए राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं।

बिलासपुर ट्रेन हादसे में 11 जिंदगियां खत्म

बिलासपुर रेलवे स्टेशन के पास एक मालगाड़ी के मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (मेमू) लोकल से टकरा जाने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। इस दुखद घटना के बाद, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मृतकों के परिवारों के लिए 5 लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की। यह दुर्घटना मंगलवार शाम करीब 4 बजे हुई जब कोरबा जिले के गेवरा से बिलासपुर जा रही एक मेमू (मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) पैसेंजर ट्रेन हावड़ा-मुंबई रूट पर गतोरा और बिलासपुर स्टेशनों के बीच एक मालगाड़ी से पीछे से टकरा गई। अधिकारियों ने बताया कि टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि एक यात्री डिब्बा मालगाड़ी के एक डिब्बे पर चढ़ गया। उन्होंने बताया कि मलबे में अभी भी दो से तीन लोगों के फंसे होने की आशंका है।

रेल हादसे के बीच आपदा मंत्री टंकाराम राज्योत्सव में राग मल्हार गा रहे थे

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में मंगलवार शाम हुए एक बड़े ट्रेन हादसे के बाद ट्रेन में सवार यात्री एक ओर जहां चीख-पुकार रहे थे, तो दूसरी ओर ट्रेन हादसे के बीच छत्तीसगढ़ के राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री टंकाराम वर्मा राज्योत्सव के समापन कार्यक्रम में मंच से राग मल्हार सुनाते हुए कैमरे में कैद हो गए। दरअसल, राज्योत्सव पर जांजगीर चंपा जिले में आयोजित तीन दिवसीय रजत महोत्सव के समापन समारोह में जिले में पहुंचे आपदा मंत्री ने मंच साझा किया और एक गीत सुनाया। दुर्घटनाग्रस्त हुई थी। उल्लेखनीय है बिलासपुर ट्रेन हादसे से एक ओर ओर जहां पूरा देश शोक मे डूबा था, तो दूसरी ओर छत्तीसगढ़ के आपदा मंत्री मोर्चा संभालने के बजाय मंच पर गीत गुनगुनाते नजर आए. मंत्री का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है वीडियो पूरे इलाके में अब चर्चा का विषय बन गया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।